इन्कलाब जिन्दाबाद ।　　　　　　　　　　　　　　　　संयुक्त मोर्चा जिन्दाबाद ॥

# ५-१० रुपये की घुसखोरी से रेलवे को लाखों की छति ।

आज जबकि रेल विभाग आर्थिक कठिनाइयों से गुजर रही है नरकटिय गंज के टी० आई० डी० के० सिंह और स्टेशन मास्टर एन० पी० बोस कुछ रिलीभिंग रेल मजदूरों से ५-१० रुपये घुस लेकर रेलवे क लाखों रुपयों का क्षति पहुँचा रहा है । रिलीभिंग A.S. M. एस० के० चौधरी एवं शम्भु प्रसाद जिनका कि हेडक्वाटर क्रमश; रक्सौल और भैरोगंज है और जिनका ट्रान्सफर भी लखमिनियाँ और सहर्षा के तरफ हो चुका है उनसे घुस लेकर तथा कथित भ्रष्ट टी० आइ० और स्टेशन मास्टर नरकटियागंज में काम करवा रहा है । जिससे रेल प्रशाशन को उन दोनो को ढाई ढाई सौ रुपया हर महीने टी० ए० देना पड़ता है । तथा जिसका हेडक्वाटर नरकटियागंज है उससे दूसरे स्टेशन पर काम करवा रहा है जिसके कारण उसे भी टी० ए० देना पडता है । रेल प्रशाशन को । और इस तरह सिर्फ १०-५ रुपये के लिए यह भ्रष्ट टी० आई० एवं स्टेशन मास्टर रेलवे के लाखों रुपयों का नुकशान कर रहा है । अगर इन लोगों को अपने-अपने हेडक्वार्टर पर काम करने के लिये भेज दें या जहां ट्रान्सफर हुआ है वहा भेज दें काम करने के लिये तो रेलप्रसाशन को लाखों रुपया का वचत हो सकता है । मगर तथा कथित घुशखोर टी०आइ० और स्टेशन मास्टर को रेलवे के पैसों के नुकशान से क्या मतलब है उसे तो अपना जेब भरना चाहिए । विश्वस्त सुत्रों से पता चला है कि कि वीरेन्द्र कुमार सहायक स्टेशन मास्टर जिनका कि हेडक्वाटर (नरकटियागंज) है और छुटी में है उनके नाम के सामने मास्टर रौल में Spared शब्द लिख दिया गया है । क्योंकि तथा कथित भ्रष्ट एवं घुसखोर टी०आई० और स्टेशन मास्टर को उनसे १०-५ रुपया घुश नही मिल पाता हैं । जबकि वे यहां नरकटियागंज में काम करते है तो रेल प्रशासन को उन्हें टी. ए. भी नही देना पडता है । तथा उसका खास कारण और भी है कि क्वाटर न० T/III (A) जो A.S.M Pool का है उसमें वही भ्रष्ट टी० आइ० अनधिकृत रुप से घुश गयो है जबकि टी० आई० के लिए Type III क्वार्टर भी मौजुद है मगर अधिक किराया के होने वजह से उसमें जाना नही चाहता है, जिसके लिए ASM बिरेन्द्र कुमार ने लिखित रुप में हाउसिंग कमीटी के चेयर मैन को भी दिया है । इस बजाह से यह भ्रष्ट टी० आई० चाहता हैं कि इन्हे यहा से हटा दिया जाय ताकि न बांस रहे न बांसुरी बजे । यहतो सिर्फ नरकटियागंज की बात है न जाने सेक्सन में यह भ्रष्ट टी. आई. किस रिलीभिंग रेल मजादूर से कितना घुश लेकर रेलबे के पैसों का कितना दूरुपयोग कर रहा है भगवान हीं जानते होगें ।

अत: नरकटियागंज के राष्ट्रीय रेल मजादूर संघर्ष समन्वय समिति इस घुशखोर और भ्रष्ट टी०आई० एवं स्टेशन मास्टर को चेतावनी देती है कि, इससे पहले की रेल मजादूरो में इस धांधली के खिलाफ आग भड़के, वह अपना गलत रवैया वन्द करें तथा साथ हीं साथ रेल प्रशासन से अपील करती हैं कि इन वातों का छान बीन कर रेलवे वित्त को नुकसान होने से बचाये ।

**राष्ट्रीय रेल मजदूर**
संघर्ष समन्वय समिती नरकटियागंज

श्री रामाधार प्रेस नरकटियागंज ।

इन्कलाब जिन्दाबाद                                    मजदूर एकता जिन्दाबाद

# राष्ट्रीय रेल मजदूर संघर्ष समन्वय समिति

## मुरादाबाद मण्डल

### ८ मई १९७४ को रेलवे पर अनिश्चितकालीन हड़ताल

President
Date 24/4/74

साथियों :—

रेलवे पर अनिश्चित कालीन हड़ताल का सब लोग बेसबरी से इन्तजार कर रहे थे। वह दिन आ गया है जब रेल मजदूर अपनी माँगों को मनवाने के लिये संघर्ष करेंगे।

आपने अखबारों द्वारा पढ़ लिया होगा कि राष्ट्रीय रेल मजदूर संघर्ष समन्वय समिति ने अपनी बैठक में जो कि देहली में १५ अप्रैल १९७४ को हुई रेलवे में काम करने वाली यूनियनों तथा एसोसिएशनों को हिदायत दे दी है कि वे ८ मई १९७४ से हड़ताल पर जावें। अत: रेल में काम करने वाले हर व्यक्ति का कर्तव्य बन जाता है कि वह अपनी जायज माँगों को मनवाने के लिये संघर्ष पर उतर आवें।

आपको सभाओं तथा पोस्टरों द्वारा यह ज्ञात हो ही चुका है कि संघर्ष समन्वय समि' ने रेल प्रशासन को तमाम दलीलें देकर अपनी जायज माँगे प्रस्तुत कीं। यह माँगे ऐसी हैं कि जिन् कोई भी न्यायप्रिय सरकार झुठला नहीं सकती परन्तु हमारी भारत सरकार ने तो यह तय कर र है कि जब तक माँगों के लिये कोई कड़ा संघर्ष न किया जावे तब तक सरकार टस से मस नहीं हो इसी लिये सरकार ने हमारी रोजी रोटी की जायज माँगों को भी रद्दी की टोकरी में डाल दि हालांकि सरकार ने यह माना कि जो मांगें प्रस्तुत की हैं वह न्याय पूर्ण हैं परन्तु "मैं न मानूं" क. लगा रखी है।

साथियों अब जब कि ८ मई १९७४से अनिश्चित कालीन हड़ताल का आदेश ३ गया है अब हर व्यक्ति हड़ताल पर जाने के लिये कमर कस ले। हमारी भारत सरकार ने ऊ तय कर ही लिया है कि वह बगैर संघर्ष के आपकी मांगे न मानेगी तो रेल का मजदूर यह वत। कि वह अपनी मांगों को मनवाने के लिये किसी भी कुर्बानी से पीछे नहीं।

'मरते भी रहे कटते भी रहे सर झुकते नहीं खुद्दारों के
जब जान की बाजी लगती है तब मकसद हासिल होता है'।

अत: हमारा मुरादाबाद मण्डल में काम करने वाले हर एक व्यक्ति से अनुरोध है कि वह अपनी रोजी और रोटी की जायज मांगों को मनवाने के लिये ८ मई १९७४ से हड़ताल पर जावें हालांकि कुछ सरकारी चमचे आपके आगे रास्ते का रोड़ा बनेंगे परन्तु उनकी परवाह न करते हुये अगर जीना है तो शान से जीयें वैसे तो अपनी जिन्दगी कुत्ता भी बसर कर लेता है।

हर सितम का हिसाब ले के उठो, कि फैसला कुन जवाब ले के उठो।
खुद ही बदल जायेगा नजामे कुहन. कि कुवते इन्कलाब ले के उठो।

—हम हैं आपके साथी—

गुरदर्शन सिंह                                    के-डी-भागी
अध्यक्ष                                    संयोजक

राष्ट्रीय रेल मजदूर संघर्ष समन्वय समिति, मुरादाबाद मण्डल